भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 27 जून, 2025
जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: (i) अगले 2-3 दिनों के दौरान देश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।

(ii) अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 27 जून, 2025 को सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- मानसून की उत्तरी सीमा 27.0°N/68.5°E, 27.0°N/70.0°E, जैसलमेर, बीकानेर, झुंझुनू, भरतपुर, रामपुर, सोनीपत, अनूप नगर और 29.0°N/70.0°E से होकर गुजरती है।
- अगले 2-3 दिनों के दौरान देश के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल होती जा रही हैं।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (27 जून, 2025 की 0830 IST तक) (अनुलग्नक II):

- असम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- केरल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई; तमिलनाडु, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात राज्य, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर; तटीय कर्नाटक, कोंकण, पश्चिम बंगाल, झारखंड, पश्चिम राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मेघालय और मणिपुर में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई।
- तमिलनाडु, केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, बिहार में अलग-अलग स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की गति के साथ तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान आया।

विस्तृत मौसम विवरण के लिए अनुलग्नक I देखें।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक III & IV देखें):

मौसम प्रणालियां:

- दक्षिण-पश्चिम राजस्थान पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और इस चक्रवाती परिसंचरण से पूर्वी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, उत्तरी झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश तक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका रेखा बनी हुई है जो ऊंचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकते हुए मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैली हुई है।

- उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल पर कल का निम्न दबाव का क्षेत्र कम चिह्नित हो गया है और संबंधित चक्रवाती परिसंचरण उपरोक्त पूर्व-पश्चिम द्रोणिका के साथ विलीन हो गया है।
- 29 जून, 2025 के आसपास उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे तटीय बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में एक नया ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण विकसित होने की संभावना है। इसके प्रभाव में अगले 24 घंटों के दौरान उसी क्षेत्र में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।
- इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 27 जून को सौराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (> 20 सेमी/24 घंटे) की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 27 जून से 3 जुलाई के दौरान पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान में; 27 से 29 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर; 28 जून से 3 जुलाई के दौरान उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा, 29 को हिमाचल प्रदेश, पंजाब में; 29 और 30 को हरियाणा; 27 जून से 1 जुलाई के दौरान उत्तराखंड, 27 को पूर्वी राजस्थान और 29 जून से 2 जुलाई के दौरान उत्तर प्रदेश में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, साथ ही आंधी, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- 27 जून से 3 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 27 और 30 जून से 2 जुलाई के दौरान विदर्भ; 28 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारी वर्षा; 27 जून और 1-3 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश में; 27 को विदर्भ; 1 और 2 को छत्तीसगढ़; 29 और 30 को पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र; 30 जून और 1 जुलाई को ओडिशा और 29 जून को झारखंड में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी क्षेत्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ आंधी, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ तूफान, बिजली गिरने तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। 01 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश में, 27 जून और 02 जुलाई को नागालैंड में बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- 27 और 28 तारीख को तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 27 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक; 27 जून और 0 से 3 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, 27 जून को तेलंगाना; 29 जून और 3 जुलाई को केरल में तथा 27 और 28 जून को केरल में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 27-30 जून के दौरान कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में तेज़ सतही हवाएँ (40-60 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

- अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने और बिजली गिरने के साथ छिटपुट वर्षा की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

अरब सागर:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले और दूसरे दिन (26 और 27 जून) दक्षिण गुजरात तट पर न जाएं, तीसरे दिन से पांचवें दिन (28 जून से 01 जुलाई) गुजरात तट के पास और उसके आस-पास; पहले दिन (26 जून) कोंकण तट पर न जाएं, तीसरे दिन से पांचवें दिन (28 जून से 01 जुलाई) कोंकण-गोवा तट के पास और उसके आस-पास; पहले दिन से तीसरे दिन (26 से 29 जून) तक कर्नाटक, केरल तट और लक्षद्वीप क्षेत्र के पास और उसके आस-पास न जाएं।
- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे पहले दिन से पांचवें दिन (26 जून से 01 जुलाई) तक सोमालिया तट और उसके आस-पास, ओमान और उसके आस-पास यमन तट और उसके आस-पास; मध्य और उसके आस-पास के उत्तर, दक्षिण अरब सागर में न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे दूसरे और तीसरे दिन (27 और 28 जून) को उत्तरी आंध्र प्रदेश और उससे सटे ओडिशा तट पर, चौथे और पांचवें दिन (29 और 30 जून) को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों पर और उससे दूर, पहले दिन (26 जून) को उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उससे सटे पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में न जाएं; दूसरे और पांचवें दिन (27 जून से 01 जुलाई) को मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; चौथे और पांचवें दिन (29 और 30 जून) को उत्तर बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; पहले, दूसरे और चौथे दिन (26, 27 और 29 जून) को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में जाएं।
- उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के कार्यों को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया जाता है।

ii. 27 जून से 30 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक ।

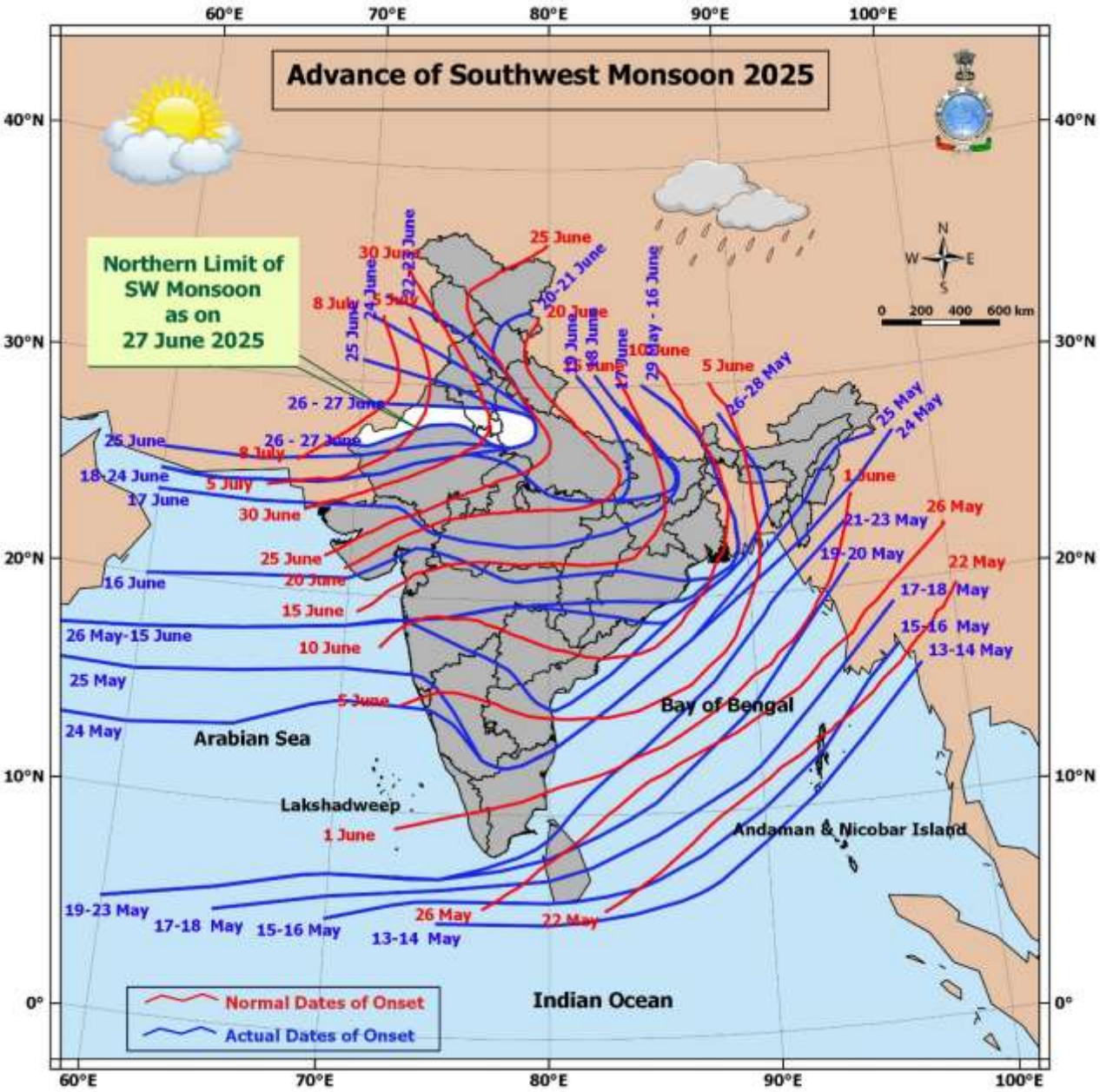
Advance of Southwest Monsoon 2025
Northern Limit of SW Monsoon as on 27 June 2025
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Onset
Actual Dates of Onset
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°
0 200 400 600 km

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **हिमाचल प्रदेश:** पंडोह (जिला मंडी) 14; जोगिंदरनगर (जिला मंडी) 7;
- पूर्वी राजस्थान: सज्जनगढ़ एसआर (जिला बांसवाड़ा) 13; सल्लोपाट एसआर (जिला बांसवाड़ा), वेजा एसआर (जिला डूंगरपुर), बस्सी (जिला जयपुर) 11 प्रत्येक; सागवाड़ा (जिला डूंगरपुर) 10; अटरू एसआर (जिला बारां) 9; धम्बोला (जिला डूंगरपुर), दौसा (जिला दौसा) 8 प्रत्येक; जमवारामगढ़ एसआर (जिला जयपुर), बागीदौरा एसआर (जिला बांसवाड़ा) 7 प्रत्येक;
- **केरल और माहे**: कायमकुलम एआरजी (जिला अलापुझा), एर्नाकुलम दक्षिण (जिला एर्नाकुलम) 12 प्रत्येक; टेलिचेरी (जिला कन्नूर), मावेलिकारा (जिला अलापुझा), हरिपद (जिला अलापुझा) 11 प्रत्येक; कुमारकम (जिला कोट्टायम), चेरथला (जिला अलापुझा), अलुवा एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम), अलवे पीडब्ल्यूडी (जिला एर्नाकुलम) 10 प्रत्येक; चलाकुडी (जिला त्रिशूर), मनकोम्पु (जिला अलापुझा), पिरवम (जिला एर्नाकुलम), वडक्कनचेरी (जिला त्रिशूर), पेरुमपावुर (जिला एर्नाकुलम), करिपुर एपी। (जिला मलप्पुरम), कलामासेरी एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम), मुनक्कल एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर) 9 प्रत्येक; मंजेरी (जिला मलप्पुरम), वडकारा (जिला कोझिकोड), कोल्लम रेलवे (जिला कोल्लम), चेम्बरी एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), मन्नारक्कड़ एडब्ल्यूएस (जिला पलक्कड़), एम्स कन्नूर (जिला कन्नूर), कोझीकोड (जिला कोझिकोड) 8 प्रत्येक; विट्टिरी (जिला वायनाड), एनामक्कल (जिला त्रिशूर), कोच्चि सी.आई.ए.एल. (जिला एर्नाकुलम), वर्कला (जिला तिरुवनंतपुरम), कुन्नमकुलम (जिला त्रिशूर), कन्नूर हवाई अड्डा एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर), चूंडी एडब्ल्यूएस (जिला एर्नाकुलम), कुन्नमंगलम एडब्ल्यूएस (जिला कोझिकोड), कुन्नाथनम एडब्ल्यूएस (जिला पथानामथिट्टा), अथिरापल्ली एडब्ल्यूएस (जिला त्रिशूर), कलपेटा एडब्ल्यूएस (जिला वायनाड), मनंतोड्डी (जिला) वायनाड) 7 प्रत्येक;
- **तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल**: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 12; वर्थ एस्टेट चेर (जिला नीलगिरी) 11; कोझिपोरविलाई (जिला कन्याकुमारी) 10; मायलौडी (जिला कन्याकुमारी), शोलायार (जिला कोयंबटूर), वालपराई पाप (जिला कोयंबटूर) 9 प्रत्येक; वालपराई तालुक कार्यालय (जिला कोयंबटूर), एवलांच (जिला नीलगिरी), सिनकोना (जिला कोयंबटूर), मांबझाथुरैयारु (जिला कन्याकुमारी), अनाइकेडांकु (जिला कन्याकुमारी) 8 प्रत्येक; नागरकोइल (जिला कन्याकुमारी), थुकले (जिला कन्याकुमारी), देवाला (जिला नीलगिरी), वालपराई पीटीओ (जिला कोयंबटूर), बारवुड (जिला नीलगिरी) 7 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा**: जव्हार (जिला पालघर) 11; माथेरान (जिला रायगढ़) 8; मोखेड़ा - एफएमओ (जिला पालघर), कर्जत एआरजी (जिला रायगढ़) 7 प्रत्येक;
- **छत्तीसगढ़**: प्रतापपुर (जिला सूरजपुर) 9; दर्री (जिला कोरबा) 7;
- **हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली**: फतेहाबाद (जिला फतेहाबाद) 8;
- **मध्य महाराष्ट्र**: गगनबावाड़ा (जिला कोल्हापुर) 8; राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 7; उत्तराखंड: लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 8;
- **पश्चिमी राजस्थान**: सांचौर (जिला जालोर), सूरतगढ़ (जिला श्री गंगानगर) 7 प्रत्येक।

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 27 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- **सौराष्ट्र और कच्छ**: भुज एडब्ल्यूएस (56);
- **पंजाब**: फरीदकोट (52), संगरूर (41);
- **मध्य महाराष्ट्र**: कुरवंडे (पुणे) (52), कराड (सतारा) (50);
- **बिहार**: औरंगाबाद_केवीके (52), पूर्वी चंपारण_केवीके (48), सुखेत (43), आईआईटी पटना (41), पूसा (39), सरैया_केवीके (39), डुमरांव (37), सिपाया (37), शेखपुरा (37), मधेपुरा (35), पटना (33), अररिया (33), खगड़िया (33), राजगीर (31), मुजफ्फरपुर (31), जीरादेई (31);
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: दमदम (46), हावड़ा (41), दीघा (39), गंगासागर (39), रामकृष्ण_मिशन_कॉलेज (एस24 पीजीएनएस)-39; जगतबल्लवपुर (35), निमपिथ (33), मुर्शिदाबाद (31);
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: मिर्ज़ापुर (46), रायबरेली और फ़तेहपुर (39);
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: इंदौर (46), ग्वालियर (41), शिवपुरी (35), हरदा (31), आगर (30), सीहोर (30);
- **विदर्भ**: वर्धा 41

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Jun	28- Jun	29- Jun	30- Jun	1- Jul	2- Jul	3- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	WS	WS	WS	FWS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	WS	WS	WS	FWS	SCT
14	PUNJAB	SCT	SCT	WS	WS	FWS	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

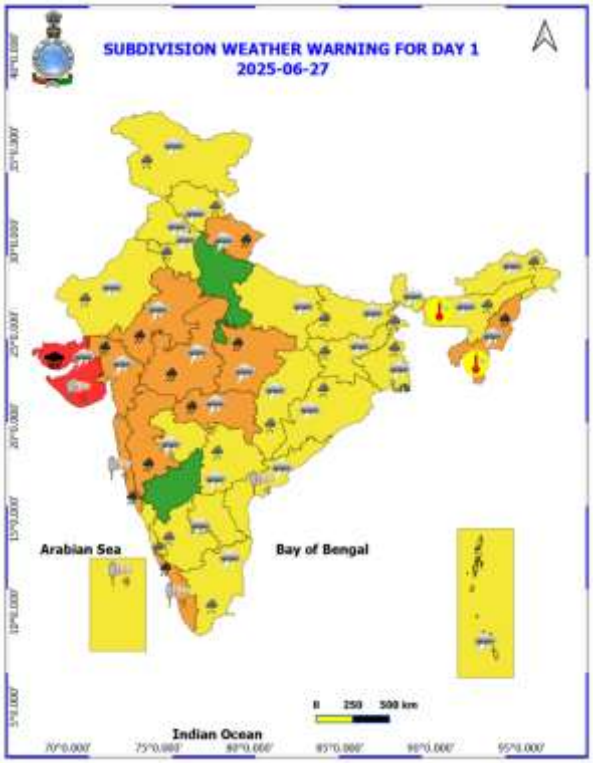
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

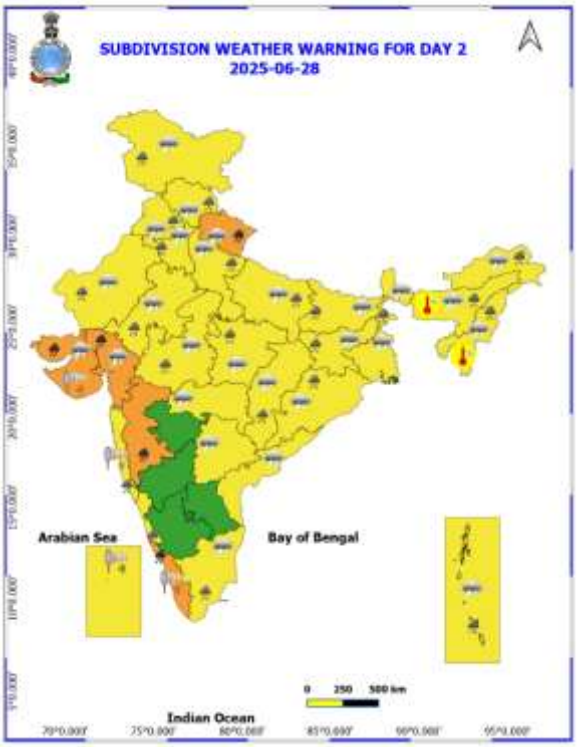
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

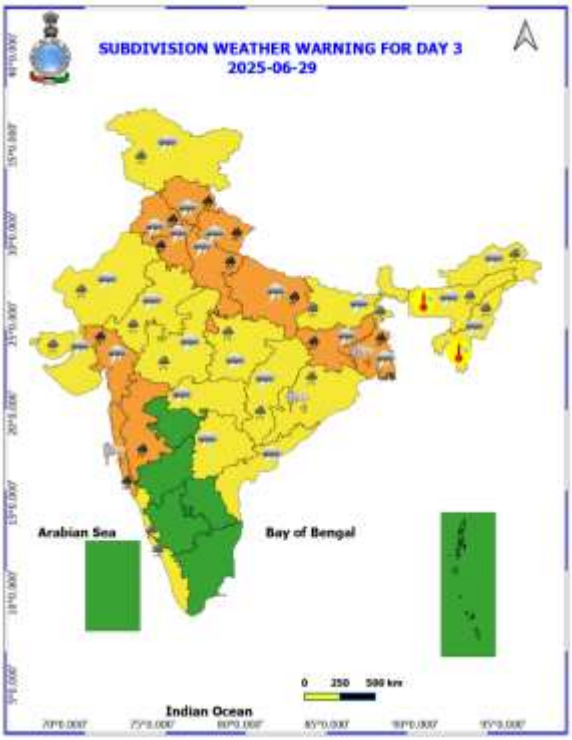
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-29
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

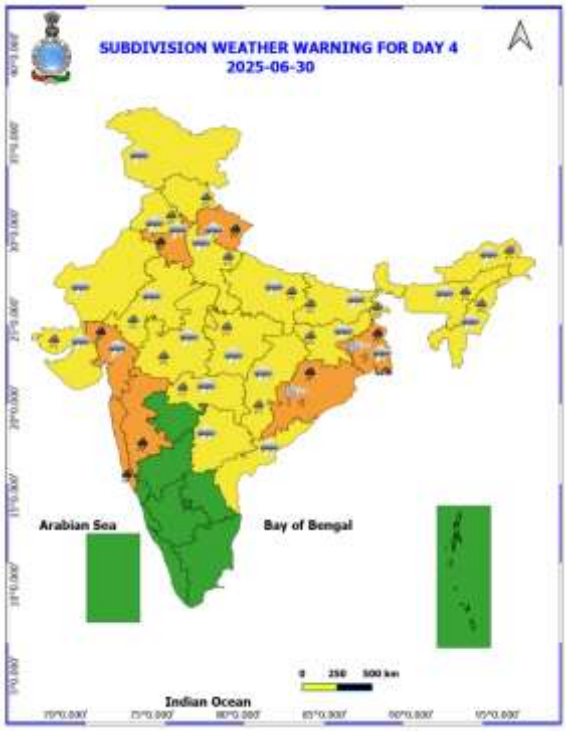

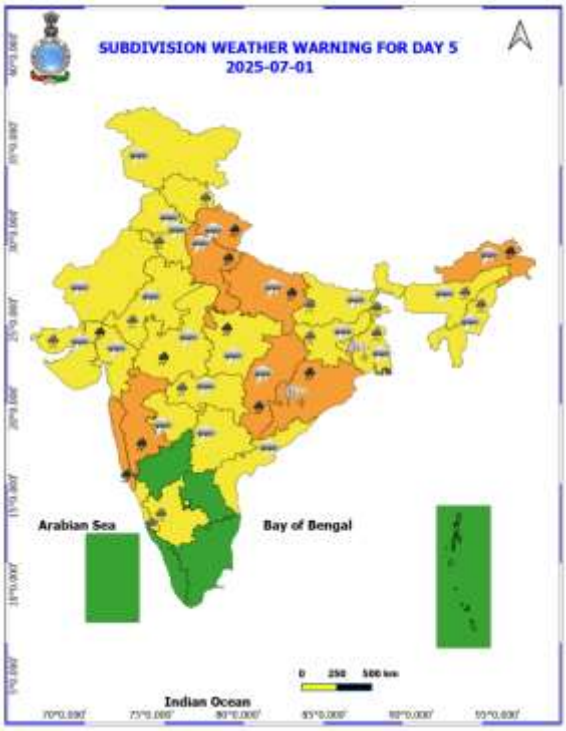

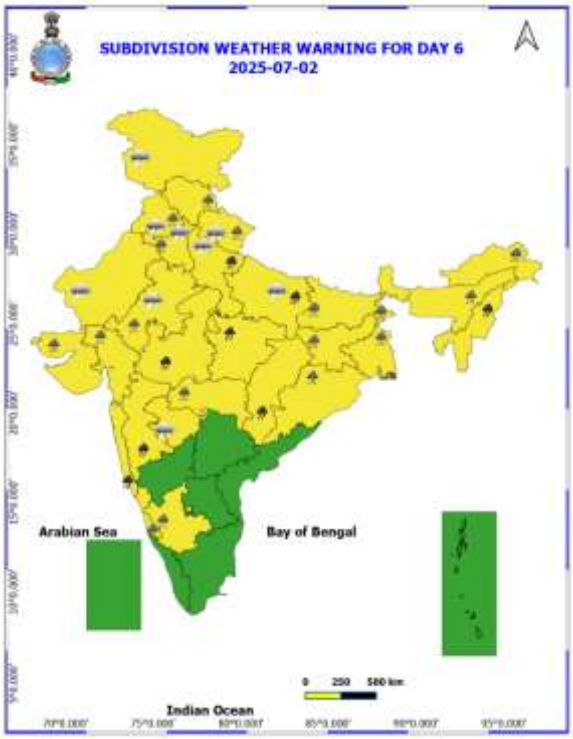

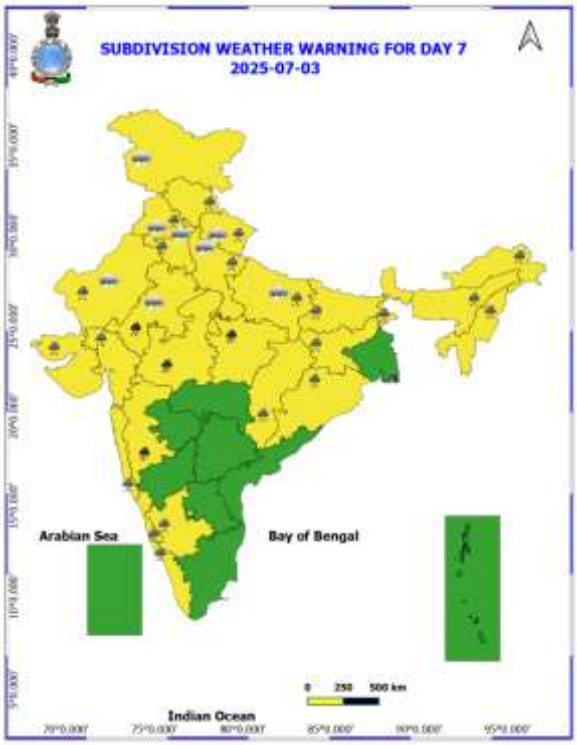

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए मौसम पूर्वानुमान (27 से 30 जून 2025 तक)

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में लगभग 1°C और अधिकतम तापमान में लगभग 3-4°C की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 से 38°C और 26 से 29°C के आसपास रहे। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहे। आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से सतही हवाएं लगभग 18 किमी प्रति घंटा की गति से चलीं। आज पूर्वाह्न में भी आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटा से कम गति की हवाएं चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

27.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली चमकने की संभावना है। अधिकतम तापमान 36 से 38°C के बीच रह सकता है, जो सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से लगभग 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। शाम और रात के समय यह घटकर 08-10 किमी प्रति घंटा रह जाएगी।

28.06.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 35 से 37°C और न्यूनतम तापमान 26 से 28°C के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम रहेगा। सुबह में हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, दोपहर में बढ़कर 10-15 किमी प्रति घंटा और शाम/रात में 18 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएंगी।

29.06.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 25 से 27°C के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5°C कम रहेगा। सुबह में सतही हवाएं पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, दोपहर में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम और शाम/रात में 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएंगी।

30.06.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 25 से 27°C के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 3-5°C कम रहेगा। सुबह में हवाएं पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, दोपहर में घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम और शाम/रात में दक्षिण दिशा से लगभग 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएंगी।

गरज-चमक/तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझावित कार्रवाई:

- गरज-चमक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और आवश्यक सावधानी बरतें। पेड़ों की टहनियों के टूटने, बड़े पेड़ों के गिरने, सूखी टहनियों के उड़ने की संभावना। खड़ी फसलों को नुकसान, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति पर नजर रखें और स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएँ। घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें, सुरक्षित आश्रय लें। पेड़ों के नीचे शरण न लें, सीमेंट की ज़मीन पर न लेटें और दीवारों से न सटें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जलाशयों से तुरंत बाहर आ जाएँ, और बिजली प्रवाह करने वाली वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 27 जून को सौराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात राज्य में; 29 को हिमाचल प्रदेश, पंजाब; 29 और 30 को हरियाणा; 27 जून-01 जुलाई के दौरान उत्तराखंड, 27 को पूर्वी राजस्थान, विदर्भ और 29 जून-02 जुलाई के दौरान उत्तर प्रदेश; 27 जून को मध्य प्रदेश और 01-03 जुलाई के दौरान; 01 और 02 को छत्तीसगढ़; 29 और 30 को गंगीय पश्चिम बंगाल; 30 जून और 01 जुलाई को ओडिशा और 29 जून को झारखंड; 27 और 28 जून को केरल में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **गुजरात में**, धान की नर्सरी, मूंगफली, बाजरा, ज्वार, अरहर, मूंग और उड़द की बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, सब्जी नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें। तीव्र हवाओं और भारी वर्षा से बचाने के लिए गन्ने को मजबूत बांस से सहारा दें या पत्तियों को एक साथ बांध दें।
- **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में, जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बगीचों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **विदर्भ** में, पहले से कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें तथा नवरोपित बागों और सब्जियों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहायता प्रदान करें।
- **पश्चिम मध्य प्रदेश** में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** में अनुकूल मौसम के दौरान परिपक्व मक्का, मूंग और उड़द की फ़सल की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत करें। पहले से बोए गए/रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

- **हिमाचल प्रदेश** के **उप-पर्वतीय और निम्न पहाड़ी उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पहाड़ी उप-आर्द्र क्षेत्र** में, भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। मक्का, सेब, नाशपाती, अनार, कीवी, खीरा और टमाटर के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। खीरे की लताओं और टमाटर के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।
- **उत्तराखंड** में धान की नर्सरी, अरहर, मूंगफली, मक्का, सोयाबीन, बाजरा और रागी की फसलों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, परिपक्व वसंत मक्का की फसल और सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) की कटाई मौसम साफ होने पर ही करें और सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- **पूर्वी राजस्थान** में भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- **ओडिशा में,** पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में,** धान की नई पौध को भारी बारिश से बचाने हेतु प्लास्टिक शीट या एग्रो-शेड नेट से ढक दें। जलजमाव को रोकने के लिए चावल की नर्सरी, कॉफी, इलायची, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** के घाट क्षेत्रों में धान की नर्सरी, ज्वार, मक्का, दलहनी फसलों, मूंगफली, गन्ना, बागवानी और सब्जी वाली फसलों में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था करें।
- **केरल में**, धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

28-06-2025 को 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - शिमला और सिरमौर जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	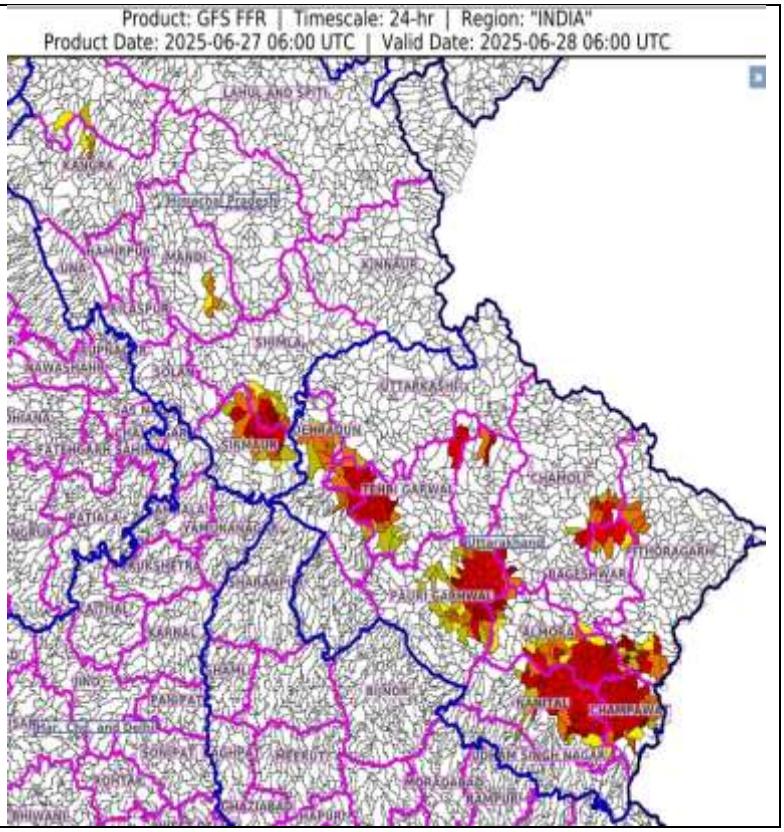

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

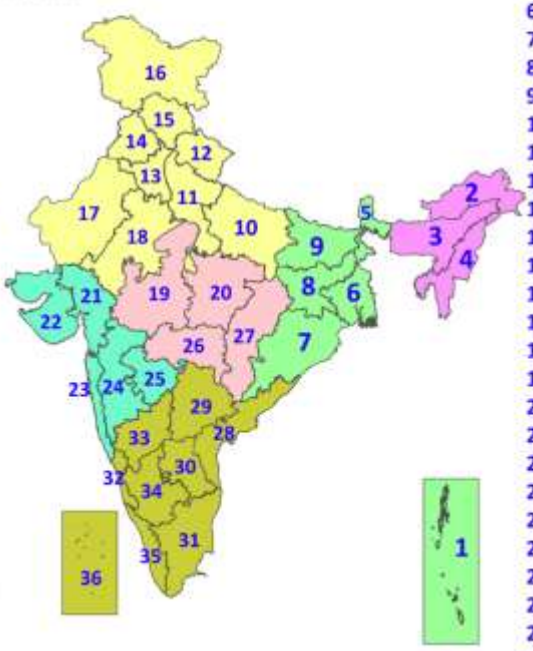

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)